खलबली | तीन दिन बीत जाने के बाद भी नहीं लगा कोई सुराग, पार्क प्रबंधन की कारगुजारियां संदेह के घेरे में

जंगलों की खाक छान रहे, नहीं मिला बाघ शावक

चिल्हारी नवभारत 9 जनवरी। जिले के मानपुर विधानसभा मुख्यालय स्थित विश्व विख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क में नए वर्ष का जश्न मनाने देश-विदेश के पूंजीपतियों का जमावड़ा देखने को मिला, जिनकी खातिरदारी में पूरा पार्क प्रबंधन तन-मन से जुटा हुआ था। इसके चंद दिनों के बाद ही बाघ शावक के गायब होने से पार्क प्रबंधन में अचानक खलबली मच गई और प्रबंधन अपनी कमियों को छुपाने के लिए इन दिनों जंगल खंगाल रहा है।

सूत्रों की माने तो बाड़े में कैद बाघ शावक अचानक रहस्यमय तरीके से लापता हो गया, जिसकी खबर सोमवार की शाम प्रबंधन को लगी तो आनन फानन में प्रबंधन अपनी कमियों को छुपाने के लिए जंगल सर्च कराने लगा। तीन दिन बीत जाने के बाद भी लापता बाघ शावक बुधवार तक नहीं मिल सका। उक्त घटना से पार्क प्रबंधन की कारगुजारियां संदेह के घेरे में है।

बाघ शावकों की उम्र लगभग आठ माह बताई जा रही

हालांकि बाघ शावक को तलाशने के लिए बड़ी संख्या में वनकर्मी जंगलों की खाक छान रहे हैं। जानकारी अनुसार बांधवगढ़ वन परिक्षेत्र पनपथा बफर अंतर्गत बीट सलखनिया में दो महीने पूर्व मादा बाघिन की रहस्यमय मौत हो जाने के बाद अनाथ हो चुके दो नन्हें बाघ के बच्चों को प्रबंधन द्वारा रेस्क्यू कर पालन-पोषण के लिए वन परिक्षेत्र ताला के बीट बठान स्थित बाड़े में रखा गया था, जिनकी उम्र करीब आठ महीने की बताई जा रही है।

शिकारियों द्वारा चोरी करने का अंदेशा

ऐसा तो नहीं की नया वर्ष मानने बांधवगढ़ में एक से बढ़ कर एक पूंजीपति अय्याशी करने आए हुए थे, जिनसे मोटी रकम की लालच में प्रबंधन द्वारा बाड़े में कैद किए गए बाघ के बच्चे को उनके हवाले कर दिया गया हो। यह भी हो सकता है कि क्षेत्र में सक्रिय हो चुके शिकारियों ने प्रबंधन का उदासीन रवैया देख बाड़े से बाघ के बच्चे को चोरी कर लिया गया हो और इधर प्रबंधन अपनी शर्मनाक हरकत को छुपाने के लिए मामले को दूसरा रूप देकर जंगल में सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

वीडियो फुटेज सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे

खैर यह तो जांच का विषय है अब मामला क्या है यह तो केवल प्रबंधन ही बता पाएगा। अगर ऐसा नहीं है तो फिर कैमरे की निगरानी में पल रहे बाघ के बच्चे के बाड़े से भागते वक्त की वीडियो फुटेज सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे। बहरहाल वन अधिकारियों का कहना है बाघ शावक जहां कहीं भी होगा उसे सुरक्षित वापस लाया जाएगा, जिसके लिए सघन रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है।

सामुदायिक भवन निर्माण स्थल में फेरबदल का आरोप

▶ ग्रामीणों ने सीईओ को शिकायत पत्र सौंपा

अमरपुर नवभारत 9 जनवरी। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत नांदामाल में स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर गांव के जागरूक ग्रामीणों के द्वारा दो पक्षों में विवाद को लेकर कुछ ग्रामीणों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी लौकेश नारनौरे से शिकायत कर मौके स्थल की जांच कर खेरमाई के पास सामुदायिक भवन बनाने की मांग का आवेदन सौंपा।

आवेदन में लेख किया गया हैं कि ग्राम नांदा माल में अधोसंरचना मद से राशि प्राप्त हुई हैं। जिस सामुदायिक भवन निर्माण कार्य करने हेतु 26 दिसंबर 2025 को ग्राम सभा में प्रस्ताव क्रमांक 7 में खेरमाई मोहल्ला में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया हैं, परंतु सरपंच द्वारा अपने घर के समीप उक्त कार्य करने हेतु दबाव बनाकर फर्जी तरीके से प्रस्ताव आपके कार्यालय में स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया हैं, जोकि नियम विरूध्द हैं।

चबूतरा बना नहीं और निकाल ली राशि

ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत अनुसार दो-तीन वर्ष पूर्व खेरमाई नांदा माल में चबूतरा निर्माण हेतु जनपद पंचायत अमरपुर से राशि 120000 राशि प्राप्त हुई थी एवं तकनीकी स्वीकृति खेरमाई नांदा माल में चबूतरा निर्माण हेतु प्रदान की गई थी?। परंतु उक्त राशि निकाल ली गई हैं और निर्माण कार्य आज दिनांक तक नहीं कराई गई हैं।

जांच कर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों की मांग हैं कि शिकायत आवेदन के अनुसार उचित जांच कर कार्रवाई करते हुए ग्राम सभा के द्वारा पारित प्रस्ताव के आधार पर खेरमाई मोहल्ला में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य करने हेतु स्वीकृति प्रदान किया जाए। ग्रामीणों ने दी चेतावनी मांग पूरी नहीं होने आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। शिकायत पत्र आवेदन में लगभग 25 ग्रामीणों का हस्ताक्षर अंकित हैं।

इनका कहना है

ग्रामीणों की सहमति के अनुसार ही निर्माण कार्य होना संभव हैं।

प्रहलाद सिंह मरकाम, सचिव ग्राम पंचायत नांदामाल

एक नजर में

गांव की दो बेटियों ने सेपक टकरा में जीता गोल्ड

शहपुरा नवभारत 9 जनवरी। जिले की दो होनहार बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। ग्राम अमदरी निवासी देवन्ति पूषाम एवं ग्राम संग्रामपुर की अभिलाषा परस्ते ने पंजाब के जालंधर में आयोजित राष्ट्रीय सेपक टकरा (किक वॉलीबाल) प्रतियोगिता के डबल्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता के दौरान दोनों बालिकाओं ने झारखंड, नागालैंड, उत्तरप्रदेश जैसी मजबूत टीमों को पराजित करते हुए फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल को हराकर गोल्ड मैडल अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर की इस बड़ी उपलब्धि पर शहपुरा स्थित कन्या क्रीड़ा परिसर सांदीपनी स्कूल में अध्ययनरत दोनों खिलाड़ियों का बैंड-बाजे, फूल-मालाओं और मिठाइयों से भव्य स्वागत किया गया। इस स्वर्णिम सफलता के बाद दोनों खिलाड़ियों को खेलो इंडिया गेम्स में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर ने दिए पुरस्कृत करने के दिए निर्देश-कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया ने बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए जिला स्तर पर पुरस्कृत करने के निर्देश दिए। एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहायक आयुक्त राजेन्द्र जाटव सहित प्रशासनिक अधिकारियों, खेल संघ पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। बीईओ एमके राय, बीआरसीसी जीपी साहू, संकुल प्राचार्य यशवंत साहू, पीटीआई रमा साहू, कोच विजय शर्मा, अध्यक्ष पीएस राजपूत, उपाध्यक्ष अश्विनी साह, कैलाश रजक शब्द साहू ने गोल्डन जीत पर बधाई दी।

टाइगर रिजर्व के उपसंचालक का स्थानांतरण

नवभारत उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपसंचालक प्रकाश कुमार वर्मा का राज्य शासन वन विभाग ने स्थानांतरण कर दिया है। उपसंचालक का राज्य शासन वन विभाग ने स्थानांतरण करते हुए उन्हें कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला उपसंचालक बनाया है। योहन कटारा का स्थानान्तरण इंदौर से कर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का उपसंचालक बनाया गया है। इस संबंध मे मध्यप्रदेश शासन वन विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं।

मृगेंद्र बने बोरवेल यूनियन के जिलाध्यक्ष

डिंडोरी ,नवभारत 9 जनवरी। विगत दिवस जिले में बोरिंग एसोसिएशन संघ की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें बोरिंग दरों को लेकर निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि बोरिंग मशीनों में उपयोग होने वाले उपकरणों की कीमतों में लगातार वृद्धि होने के कारण बोरिंग के रेट बढ़ाए गए हैं। नए निर्णय के अनुसार अब बोरिंग कार्य 120 रुपये प्रति फीट की दर से किया जाएगा। बैठक में बड़ी संख्या में बोरिंग मशीन संचालक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही बोरबेल यूनियन की कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें मृगेन्द्र सिंह परिहार को अध्यक्ष, विपिन राजपूत को उपाध्यक्ष तथा शिवकुमार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को दिया फिजिकल प्रशिक्षण

शहपुरा नवभारत 9 जनवरी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, द्वारा संचालित नवाचार 'पंखिनी नवाचार' के तहत शहपुरा स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेडियम शहपुरा में आयोजित 15 दिवसीय पुलिस भर्ती फिजिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा द्वारा किया गया।समापन सत्र में सीडीपीओ विपिन डेहरिया, पर्यवेक्षकगण एवं प्रशिक्षणार्थी 40 बालिकाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने पूरे प्रशिक्षण काल में अनुशासन एवं उत्साह के साथ अभ्यास किया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को पुलिस भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा के निर्धारित शारीरिक मापदंडों के अनुरूप 800 मीटर दौड़, हाई जंप एवं गोला फेंक का वैज्ञानिक एवं विधिवत प्रशिक्षण निरंतर 15 दिनों तक प्रदान किया गया।

एसडीएम ने प्रमाण पत्र वितरित किए-प्रशिक्षण पुलिस विभाग के प्रशिक्षक अरुण कुमार डिगा एवं दीपक धाकड़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक समन्वयक कैलाश रजक, खेल प्रशिक्षक अनिल लोधी, रमा साहू तथा शिक्षा विभाग के खेल शिक्षक जागेश्वर नंदा एवं शेरमेर खलको सहित अन्य प्रशिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा द्वारा बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

अवैध खनिज परिवहन करते दो ट्रैक्टर जब्त

डिंडोरी, नवभारत 9 जनवरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज के परिवहन की प्रभावी रोकथाम हेतु खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को समनापुर क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक एमपी जेड डब्ल्यू 4287 को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पाए जाने पर जप्त कर थाना समनापुर में सुरक्षित रखा गया। वहीं दूसरे ट्रैक्टर को मुरम का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई इस कार्यवाही से अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त तत्वों में हड़कंप मचा है।

शिक्षक पर होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही

▶ एसडीएम ने प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

शहपुरा नवभारत 9 जनवरी। ग्राम भीमडोंगरी स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में ग्रामवासियों द्वारा पूर्व में की गई शिकायत के आधार पर एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्राप्त शिकायत में विद्यालय में पदस्थ शिक्षक सरिता परस्ते के नियमित रूप से अनुपस्थित रहने एवं विद्यार्थियों से अभद्र व्यवहार किए जाने का उल्लेख था। औचक निरीक्षण के दौरान संबंधित शिक्षक सरिता परस्ते अनुपस्थित पाई गईं। मौके पर उपस्थित विद्यार्थियों, अन्य शिक्षकों तथा आंगनबाड़ी सहायिका से शैक्षणिक गतिविधियों, उपस्थिति एवं व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडीएम शहपुरा द्वारा अनुपस्थित शिक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया।

55 लीटर अवैध शराब की गई जब्त

▶ आबकारी विभाग की कार्यवाही में 3 प्रकरण किए गए पंजीबद्ध

शहपुरा, डिंडौरी, नवभारत 9 जनवरी। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु बुधवार को आबकारी विभाग वृत्त शहपुरा द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर दबिश देकर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अवैध शराब के 3 प्रकरण कायम किए गए।

आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्यवाही में अभिषेक कुमार के कब्जे से 23 पाव देसी मदिरा प्लेन, 15 बोतल हंटर बीयर, 15 बोतल पावर 10000 बीयर, 7 पाव एमडी रम एवं 5 पाव गोवा रम बरामद की गई। राजेश चौधरी से 14 बोतल हंटर बीयर, 10 बोतल किंगफिशर बीयर, 6 केन पावर 10000 बीयर, 10 पाव एमडी रम, 6 पाव देसी मदिरा मसाला, 3 पाव जीनियस व्हिस्की एवं 2 पाव गोवा रम जब्त की गई। रम्पो बाई धुर्वे से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं 20 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया।

अनुमानित कीमत 20,989 रुपये आंकी गई-जब्त सामग्री में कुल 43 लीटर विदेशी मदिरा, 5.22 लीटर देशी मदिरा, 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं 20 किलोग्राम महुआ लाहन शामिल है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 20,989 रुपये आंकी गई है। उक्त सभी मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

पुलिस व पत्रकारों में सामंजस्य जरुरी : डीजीपी

उमरिया 9 जनवरी। पुलिस मुख्यालय में पत्रकार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान डीजीपी कैलाश मकवाना पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात की और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। डीजीपी ने सभी पत्रकारों से परिचय लिया, इस दौरान उन्होंने पुलिस व पत्रकारों के आपसी सामंजस्य को आवश्यक बताया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस और पत्रकार का चोली दामन का साथ होता है। पत्रकारों के सहयोग से हमें कानून व्यवस्था कायम रखने में मदद मिलती है। हमसे कहां-क्या गलत हो रहा है, इसकी जानकारी इन्हीं से मिलती है, साथ ही कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं, जो हमारी नजर में नहीं आ पाती हैं। इसको मीडिया ही हमारे संज्ञान में लाने का काम करती है, जिस पर हम काम कर उसमें सुधार करते हैं।

घुनघुटी पुलिस का बड़ा एक्शन : 10 किमी पीछा कर धान चोरों को दबोचा

नवभारत उमरिया 9 जनवरी। जिले में शासकीय धान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर घुनघुटी पुलिस की सतर्कता और मजबूत सूचना तंत्र की मिसाल सामने आई है। चौरी धान खरीदी केंद्र से शासकीय धान चोरी कर फरार हो रहे चोरों को पुलिस ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर धर दबोचा। जानकारी के अनुसार बीती रात अज्ञात चोर चौरी धान खरीदी केंद्र से 18 बोरी जिसमें पर बोरी 40 किलों धान शासकीय धान को एक स्विफ्ट कार में लोडकर फरार हो गए। खास बात यह रही कि वाहन की नंबर प्लेट गायब थी जिससे चोरों की मंशा पहले से ही संदिग्ध नजर आई।

तड़के 4 बजे माल सहित पकड़ा-मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर घुनघुटी पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहन का लगभग 10 किलोमीटर तक पीछा किया और आखिरकार पतनार कला के समीप तड़के करीब 4 बजे चोरों को माल सहित दबोच लिया। इस वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान आलम खां एवं सुमित प्रजापति के रूप में बताई जा रही है। पुलिस ने बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस घटना ने जहां एक ओर धान खरीदी केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर घुनघुटी पुलिस की तत्परता ने यह साफ कर दिया है कि शासकीय संपत्ति पर हाथ डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एशियन वाटर बर्ड सेंसस 2026 का शुभारंभ

▶ जल पक्षियों की प्रजातियों की पहचान की जाएगी

नवभारत उमरिया 9 जनवरी। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मे एशियन वाटर बर्ड सेंसस-2026 का दो दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक प्रारंभ हो गया है। टाइगर रिजर्व के उपसंचालक ने बताया कि यह सर्वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका

उद्देश्य आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) में पाए जाने वाले जल पक्षियों की प्रजातियों की पहचान, संख्या और संरक्षण की स्थिति का आकलन करना है। जलपक्षी आर्द्रभूमि की उत्पादकता के प्रमुख संकेतकों में से एक हैं।

सर्वे कार्य में 12 पंजीकृत स्वयंसेवक भी शामिल-इस वर्ष बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत कुल 15 चयनित स्थलों में डैम, नदी व तालाब सम्मिलित हैं, जिनमें जलपक्षी गणना की जा रही है। सर्वे कार्य में 12 पंजीकृत स्वयंसेवकों द्वारा सहभागिता की जा रही है। साथ ही टाइगर रिजर्व के 32 क्षेत्रीय अमले के साथ सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी भी इसमें सहभागिता कर रहे है।

शालाओं में छात्रों की उपस्थिति रही शून्य

▶ अनुविभागीय अधिकारी ने किया निरीक्षण

चिल्हारी नवभारत। मानपुर अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व हरनीत कौर कलसी विगत दिनों ज्वालामुखी आश्रम एवं मावि का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शीतकालीन अवकाश समाप्त होने के तीन दिन बीत जाने के पश्चात विद्यालय में विद्यार्थियो की उपस्थिति शून्य रही, जबकि शाला डाइस कोड 23150913002 आश्रम में 56 एवं माध्यमिक में 60 बच्चे दर्ज है। मध्यान्ह भोजन की स्थिति भी बदतर रही। थालियों की स्थिति फंगस युक्त मिली। विद्यालय में साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। विद्यालय में बच्चों की नियमित उपस्थित कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

गोंडी पेंटिंग हैं अमूल्य धरोहर : डॉ. धुर्वे

▶ पीएम-ऊषा योजना अंतर्गत गोंडी पेंटिंग कार्यशाला का शुभारंभ

डिंडौरी, नवभारत 9 जनवरी। शुक्रवार को चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडोरी में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान' योजना के अंतर्गत कंपोनेंट-3 के तहत 'इंडियन आर्ट एंड कल्चर, गोंडी पेंटिंग' विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष धुर्वे ने की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संतोष धुर्वे ने अपने संबोधन में गोंडी पेंटिंग को भारतीय जनजातीय कला की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करने के साथ-साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सेडमैप समन्वयक एस.के. शर्मा ने विद्यार्थियों को कार्यशाला की विस्तृत कार्ययोजना की जानकारी दी। वहीं पीएम-ऊषा योजना के सह-समन्वयक डॉ. रवि सिंह ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का कौशल संवर्धन करना है। कार्यक्रम में विधा प्रभारी डॉ. अनीता मेश्राम, पूजा धुर्वे, दानियल प्रसाद, योगेश वालरे सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। डॉ. अनीता मेश्राम द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

म्यूजियम का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए : अंजू

▶ कलेक्टर ने पाटनगढ़ म्यूजियम का किया औचक निरीक्षण

डिंडौरी, नवभारत 9 जनवरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने गुरुवार के दिन विकासखंड करंजिया की ग्राम पंचायत पाटनगढ़ में निर्माणाधीन पाटनगढ़ म्यूजियम का औचक निरीक्षण किया। यह म्यूजियम बैगा जनजाति की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पाटनगढ़ चित्रकला के संरक्षण एवं संग्रहण के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश दिए कि म्यूजियम का निर्माण डीपीआर के मापदंडों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चौपाल में शामिल हुए 94 स्थानीय कलाकार-इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत पाटनगढ़ में संचालित अस्थायी म्यूजियम में ग्राम के 94 स्थानीय लोक कलाकारों के साथ चौपाल लगाई। चौपाल का उद्देश्य गोंडी एवं पाटनगढ़ चित्रकला को प्रोत्साहन देना तथा सभी कलाकारों को समान अवसर और निरंतर कार्य उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान कलाकारों एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों की समस्याएं सुनी गईं।

नए सदस्यों का किया जाएगा चयन-चौपाल में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ग्राम के सभी कलाकार, सरपंच, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष एवं समूह के सदस्य मिलकर ऐसे नए सदस्यों का चयन करेंगे, जिन्हें मोबाइल, व्हाट्सएप, यूट्यूब, ई-मेल जैसे डिजिटल माध्यमों का ज्ञान हो। इससे बाहरी कंपनियों से प्राप्त सूचनाएं समय पर सभी कलाकारों तक पहुंच सकेंगी और व्यवस्थित तरीके से जवाब भेजा जा सकेगा।

कलाकारों के संरक्षण व संवर्धन के प्रयास किये जाएंगे-कलेक्टर ने कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे साड़ी, दुपट्टा एवं अन्य चित्रकारी से जुड़े उत्पाद कम से कम एक-एक हजार की संख्या में तैयार करें, ताकि इन्हें बाहरी कंपनियों को भेजकर बेहतर विपणन किया जा सके और कलाकारों को आर्थिक लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जनजातीय कला एवं कलाकारों के संरक्षण, संवर्धन और रोजगार सृजन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।